Amar Ujala 28-12-2025

हिमाचल शिक्षा बोर्ड नए सत्र से एक स्कूल, एक पाठ्यक्रम करेगा लागू

तय होंगे हर महीने पढ़ाए जाने वाले अध्याय, दिसंबर में पूरा होगा सिलेबस, जनवरी से मार्च तक कराया जाएगा रिवीजन

विपिन चौधरी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त और सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एक स्कूल, एक पाठ्यक्रम योजना को शुरू किया जाएगा। इसके तहत शिक्षा बोर्ड की ओर से हर माह पढ़ाई के लिए अध्याय भी तय किए जाएंगे। इसके लिए हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड ने पाठ्यक्रम को पूरा करने का इस तरह से खाका तैयार किया है कि दिसंबर माह तक सभी कक्षाओं में सभी विषयों के सिलेबस को पूरा किया जा सकेगा। वहीं, दिसंबर में सिलेबस पूरा होने के कारण स्कूलों में जनवरी से लेकर मार्च माह तक का समय रिवीजन के लिए मिलेगा।

जानकारी के अनुसार स्कूल शिक्षा बोर्ड शैक्षणिक सत्र 20206-27 से एक स्कूल, एक पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसका सबसे अधिक फायदा उन विद्यार्थियों को होगा, जो किसी कारणवश सत्र के बीच में एक स्कूल से दूसरे स्कूल में शिफ्ट करते हैं। ऐसे में दूसरे स्कूल में भी उनकी वहीं से पढ़ाई शुरू होगी, जहां से उन्होंने अपने पुराने स्कूल में पढ़ाई छोड़ी थी। योजनाबद्ध तरीके से हर माह पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर स्कूल शिक्षा बोर्ड निगरानी भी रखेगा तथा योजना के अनुरूप पढ़ाई न करने वाले स्कूलों पर शिकंजा भी कसा जाएगा।

एक स्कूल से दूसरे स्कूल में शिफ्ट होने पर प्रभावित नहीं होगी पढ़ाई

पाठ्यक्रम पर शिक्षा बोर्ड निगरानी भी रखेगा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में हर माह पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम तय किया जाएगा। किस महीने कितने अध्याय पढ़ाने हैं, इसका पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले इस पाठ्यक्रम पर शिक्षा बोर्ड निगरानी भी रखेगा, ताकि समय पर पाठ्यक्रम को पूरा किया जा सके। - **डॉ. मेजर विशाल शर्मा, सचिव, स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला।**

योजना से ये होंगे फायदे

- सभी स्कूलों में एक ही पाठ्यक्रम पढ़ाए जाने से शिक्षा में समानता आएगी और किसी भी छात्र को अलग-अलग सिलेबस की वजह से नुकसान नहीं होगा।
- यदि कोई छात्र एक स्कूल से दूसरे स्कूल में जाता है, तो उसका सिलेबस वही रहेगा, जिससे पढ़ाई में रुकावट नहीं आएगी।
- शिक्षा बोर्ड द्वारा तय मासिक योजना से दिसंबर तक पूरा सिलेबस आसानी से पूरा हो सकेगा।
- जनवरी से मार्च तक रिविजन का समय मिलने से छात्र बोर्ड और वार्षिक परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कर पाएंगे।
- एकरूप पाठ्यक्रम से पढ़ाने की गुणवत्ता बेहतर होगी और शिक्षकों के लिए भी योजना बनाना आसान होगा।
- शिक्षा बोर्ड की नियमित निगरानी से यह सुनिश्चित होगा कि सिलेबस सही ढंग और समय पर पढ़ाया जा रहा है।
- तय समयसारिणी होने से छात्रों पर अचानक सिलेबस पूरा करने का दबाव नहीं रहेगा।

Amar Ujala 30-12-2025

बोर्ड परीक्षाएं : 2,390 केंद्रों पर पौने दो लाख से अधिक विद्यार्थी देंगे पेपर

मार्च में होने वाली 10वीं, 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए बोर्ड ने बनाए केंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मार्च में 2,390 केंद्रों पर 10वीं और 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं करवाएगा। सभी परीक्षा केंद्र पूरी तरह से सीसीटीवी कैमरों से लैस होंगे, जिन पर बोर्ड मुख्यालय से भी निगरानी रखी जा सकेगी। परीक्षाएं तीन मार्च से सुबह दस से दोपहर एक बजे तक होगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षाएं तीन मार्च से शुरू होंगी।

इन परीक्षाओं के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शेड्यूल भी जारी कर दिया है। वहीं परीक्षा के लिए शिक्षा बोर्ड ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। 10वीं और 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के दौरान पौने दो लाख से अधिक विद्यार्थी बैठेंगे। इन विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए लंबा सफर तय न करना पड़े, इसके लिए शिक्षा बोर्ड ने इस बार परीक्षा केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी की है।

गत वर्ष हुई बोर्ड परीक्षाओं में 2,300 के करीब परीक्षा केंद्र हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से बनाए गए थे। इस बार अधिक परीक्षा केंद्र बोर्ड की ओर से गठित किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर उड़नदस्तों के साथ-साथ बोर्ड मुख्यालय से भी ऑनलाइन नजर रखी जाएगी। परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सुबह के सत्र में दस से दोपहर एक बजे तक होगी परीक्षा

इस संदर्भ में बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि इस बार परीक्षा केंद्रों को बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि तक 2,390 परीक्षा केंद्रों का गठन वार्षिक परीक्षाओं के लिए किया गया है।

पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया 31 दिसंबर तक करनी होगी पूरी

शिमला। एचपीयू में सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। विवि प्रशासन ने विभिन्न विभागों में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए प्रांतीय श्रेणी के चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। यह सूची विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इसके साथ ही शेष विभागों में काउंसलिंग प्रक्रिया को 30 और 31 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सूची के अनुसार इंटरडिसिप्लिनरी विभाग (आईवीएस) में दो प्रांतीय अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश दिया गया है। भूगोल विभाग में एक, शारीरिक शिक्षा विभाग में तीन, रसायन विज्ञान विभाग में तीन और प्रबंधन विभाग में छह प्रांतीय अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। विश्वविद्यालय के डीन ऑफ स्टडीज कार्यालय ने सभी शिक्षण विभागों और संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि पीएचडी प्रवेश से जुड़ी काउंसलिंग और चयन प्रक्रिया वर्ष के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। जिन विभागों में अभी तक काउंसलिंग नहीं हुई है, वहां 30 और 31 दिसंबर को प्रक्रिया करवाई जाएगी। प्रशासन का स्पष्ट निर्देश है कि निर्धारित समय सीमा के बाद किसी भी स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया लंबित नहीं रहनी चाहिए। हालांकि, कुछ ऐसे विभाग भी सामने आए हैं, जिनमें काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन अब तक उनकी अंतिम मेरिट सूची वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं की गई है। इससे कई अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि चयन सूची शीघ्र वेबसाइट पर अपलोड की जाए। संवाद

सोमवार को हुई अंग्रेजी की काउंसलिंग : सोमवार को अंग्रेजी, हिंदी और पर्यटन अध्ययन विभाग में पीएचडी प्रवेश के लिए काउंसलिंग करवाई गई। इन विभागों में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया। काउंसलिंग प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यता, शोध प्रस्ताव और साक्षात्कार के आधार पर अभ्यर्थियों का मूल्यांकन किया गया। प्रशासन के अनुसार इन विभागों की मेरिट सूची भी शीघ्र जारी की जाएगी।

Divya Himachal 30-12-2025

स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डाक्टर राजेश ने नवाजे होनहार

धर्मशाला। कांगड़ा वैली सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिला चौक धर्मशाला का वार्षिक समारोह पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रुप में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अपनी उपस्थिति से छात्रों व उनके अभिवावकों का मनोवल बढ़ाया। इस अवसर पर स्कूली छात्रों की ओर से विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही मुख्यातिथि द्वारा मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया गया। डा. राजेश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में शैक्षिक सुधारों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने, और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक आदर्श रानी बेदी, कपिल चड्ढा और विद्यालय प्रधानाचार्य कपिल वालिया उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में सतीश, बलवीर, शिवालिक अवस्थी, सरोज, अनु, दीपिका, दीप शिखा, अनुज, अमरीश व अभिषेक भी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक आदर्श रानी बेदी और विद्यालय प्रधानाचार्य ने आए हुए अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया और विद्यालय के सभी शिक्षकों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।